चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	31.10.26	-----	----

हकृवि की नशा मुक्त रैली में विद्यार्थियों ने दिया जागरूकता का संदेश



-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 31 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से नशा मुक्त जागरूकता रैली निकाली गई। आर्थिक विशेषज्ञ सतीश कुमार ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय परिसर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सतीश कुमार ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और देश का भविष्य उनकी ऊर्जा, प्रतिभा और अच्छी सोच पर निर्भर करता है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों, परिवारजनों तथा आसपास के लोगों को भी इसके नुकसान के बारे में बताएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। नशामुक्त समाज बनाने के लिए शिक्षण संस्थानों, परिवारों और सामाजिक संगठनों को मिलकर प्रयास करने चाहिए। विद्यार्थियों को शिक्षा, खेलकूद, अनुसंधान और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर समाज और देश के विकास में योगदान देना चाहिए।

नशा मुक्ति अभियान में युवाओं की भागीदारी जरूरी : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि रैली में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों और एनसीसी एवं एनएसएस कैडेट्स की भागीदारी से नशा मुक्ति का संदेश आम जन तक पहुंचेगा। विद्यार्थियों ने लोगों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाते हैं। ऐसे ' अभियान विद्यार्थियों को समाज की समस्याओं को समझने और नशामुक्त समाज बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	31.10.26	-----	----

राज्य का नाम सरोज किया।

हकृवि में राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिलाई शपथ



नभ-छोर न्यूज ⏭ 31 अक्टूबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अधिकारियों और कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में देश के प्रति एकता, भाईचारे और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके देश के प्रति समर्पण, मजबूत इच्छाशक्ति और नेतृत्व के कारण उन्हें लौह पुरुष कहा जाता है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी हमें मिलजुल कर रहने और देश की एकता बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने कार्यों में अनुशासन बनाए रखने, आपसी सहयोग बढ़ाने और देश की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों, विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	1-11-26	14	2-6

कार्यक्रम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लोक संवाद का सेतुबंध

सांग व लोकगीत हरियाणा की संस्कृति और परंपराओं का अहम हिस्सा : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सांग और लोकगीत हरियाणा की संस्कृति और परंपराओं का अहम हिस्सा हैं। ये मनोरंजन के साथ-साथ समाज को अच्छे संदेश देने, नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने और लोगों को जागरूक करने का काम भी करते हैं।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने पंचनद शोध संस्थान और विज्ञान भारती द्वारा लोक संवाद का सेतुबंध, सांग-लोकगीत विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। आकाशवाणी के सेवानिवृत्त निदेशक कैलाश वर्मा मुख्य प्रस्तोता के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा, पंचनद शोध संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह, महिला आयाम प्रमुख डॉ. मुदिता वर्मा और कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम छात्र कल्याण निदेशालय, द्वारा संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में विवेक श्रीवास्तव, पूनम वर्मा, ज्ञानचंद बंसल सहित पंचनद शोध संस्थान और विज्ञान भारती के पदाधिकारी, विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।



हिसार। कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। *फोटो: हरिभूमि*

स्वांग प्रस्तुत किया

डॉ मुदिता वर्मा ने बताया कि सांग और लोकगीत भारतीय संस्कृति, लोकजीवन एवं सामाजिक परंपराओं की अमूल्य धरोहर हैं। हरियाणा की लोक संस्कृति में सांग की विशिष्ट पहचान है, जिसके माध्यम से सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं नैतिक विषयों को रोचक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाता है। मुख्य प्रस्तोता कैलाश वर्मा ने हरियाणा की सांग और लोकगीत परंपरा के इतिहास तथा समाज में उनकी भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने सांझी के गीत, ऋतु से संबंधित गीत, कार्तिक मास के गीत, विदाई के गीत व भात के गीत गाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। डॉ संध्या शर्मा द्वारा रामायण को स्वांग शैली में प्रस्तुत किया गया। डॉ. रितु द्वारा पारंपरिक लोकगीत गाए गए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. रविंद्र सैनी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन डॉ. वर्षा सैनी ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	1-11-26	5	7-8

सांग और लोकगीत हमारी अनमोल धरोहर: प्रो. काम्बोज

हिसार, 31 अक्तूबर (ब्यूरो): सांग और लोकगीत हरियाणा की संस्कृति और परंपराओं का अहम हिस्सा हैं। ये मनोरंजन के साथ-साथ समाज को अच्छे संदेश देने, नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने और लोगों को जागरूक करने का काम भी करते हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने पंचनद शोध संस्थान और विज्ञान भारती द्वारा लोक संवाद का सेतुबंध, सांग-लोकगीत विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। आकाशवाणी के सेवानिवृत्त निदेशक कैलाश वर्मा मुख्य प्रस्तोता के रूप में मौजूद रहे।



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो.काम्बोज।

प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि सांग और लोकगीतों के माध्यम से समाज की अच्छी परंपराओं, संस्कारों और जीवन से जुड़ी बातों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है। डॉ संध्या शर्मा द्वारा रामायण को स्वांग शैली में प्रस्तुत किया गया और पारंपरिक शैलियों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ रितु द्वारा पारंपरिक लोकगीत गाए गए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. रविंद्र सैनी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन डॉ. वर्षा सैनी ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	1-11-26	7	1-6

सांग और लोकगीत हमारी अनमोल धरोहर : प्रो. काम्बोज

हकृवि में लोक संवाद का सेतुबंध, सांग-लोकगीत विषय पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 31 अक्तूबर (विरेंद्र वर्मा) : सांग और लोकगीत हरियाणा की संस्कृति और परंपराओं का अहम हिस्सा हैं। ये मनोरंजन के साथ-साथ समाज को अच्छे संदेश देने, नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने और लोगों को जागरूक करने का काम भी करते हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने पंचनद शोध संस्थान और विज्ञान भारती द्वारा लोक संवाद का सेतुबंध, सांग-लोकगीत विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। आकाशवाणी के सेवानिवृत्त निदेशक कैलाश वर्मा मुख्य प्रस्तोता के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा, पंचनद शोध संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह, महिला आयाम प्रमुख डॉ. मुदिता वर्मा और कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम छात्र कल्याण निदेशालय, द्वारा संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि सांग और लोकगीतों के माध्यम से समाज की अच्छी परंपराओं, संस्कारों और जीवन से जुड़ी बातों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है। ये लोक कलाएं हमारी संस्कृति और पहचान को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। डॉ. मुदिता वर्मा ने बताया कि सांग और लोकगीत भारतीय संस्कृति, लोकजीवन एवं सामाजिक परंपराओं की अमूल्य धरोहर हैं। हरियाणा की लोक संस्कृति में सांग की विशिष्ट पहचान है, जिसके माध्यम से सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं नैतिक विषयों को रोचक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाता है। वहीं लोकगीत जनमानस की भावनाओं, रीति-रिवाजों, संस्कारों और जीवन के विविध पहलुओं को स्वर प्रदान करते हैं मुख्य प्रस्तोता कैलाश वर्मा ने हरियाणा की सांग और लोकगीत परंपरा के इतिहास तथा समाज में उनकी भूमिका के बताया। डॉ. संध्या शर्मा द्वारा को स्वांग शैली में प्रस्तुत कि और पारंपरिक शैलियों के बारे में से बताया कि किस तरह क सवैया ,छंद, रागिनी का प्रयोग को आगे लेकर जाने में मदद क डॉ रितु द्वारा पारंपरिक लोकगी गए। छात्र कल्याण निदेशक ड खीचड़ ने अतिथियों का स्वागत डॉ. रविंद्र सैनी ने धन्यवाद प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचा वर्षा सैनी ने किया। कार्यक्रम में श्रीवास्तव, पूनम वर्मा, ज्ञानचंद बंसल पंचनद शोध संस्थान और विज्ञान भ पदाधिकारी, विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित



कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	31.10.26	-----	----

विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए विश्वास, सकारात्मक सोच और निरंतर सुधार जरूरी : डॉ. नरेंद्र सिंह राठौड़

हकृवि में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का समापन, शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल तकनीक और एआई अपनाने के लिए किया प्रेरित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 31 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में आयोजित 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का समापन हुआ। 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कुलपति एवं आईसीएआर के पूर्व उप महानिदेशक डॉ. नरेंद्र सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि रहे, जबकि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अध्यक्षता की।

डॉ. नरेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शिक्षकों को विषय विशेषज्ञता के साथ डिजिटल तकनीकों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों का ज्ञान भी हासिल करना होगा। उन्होंने पीटर कोलेट के थ्री डब्ल्यू फॉर्मूले की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें प्रतिभागी पिछले 21 दिनों के



कार्यों, सीख और उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हैं तथा भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करते हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए प्रशासन के प्रति विश्वास, संस्थागत उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्धता और निरंतर सुधार की सकारात्मक सोच जरूरी है। शिक्षकों और वैज्ञानिकों को अपने ज्ञान एवं सामूहिक प्रयासों से विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाने में योगदान देना चाहिए।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा के लिए शिक्षकों का निरंतर क्षमता संवर्धन आवश्यक है। कृषि क्षेत्र में बदलती तकनीक और किसानों की जरूरतों को देखते हुए शिक्षकों को डिजिटल संसाधनों और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई और डिजिटल तकनीकों का जिम्मेदारी से उपयोग शिक्षण, अनुसंधान और ज्ञान के प्रसार को अधिक प्रभावी बना सकता है।

कार्यक्रम में स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया और एआई व डिजिटल शिक्षा पर विचार रखे। डॉ. योगेश जिंदल ने रिफ्रेशर कोर्स की गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि डॉ. अनुराग ने मंच संचालन एवं धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	31.10.26	-----	----

हकृवि में लोक संवाद का सेतुबंध, सांग-लोकगीत विषय पर कार्यक्रम आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। सांग और लोकगीत हरियाणा की संस्कृति और परंपराओं का अहम हिस्सा हैं। ये मनोरंजन के साथ-साथ समाज को अच्छे संदेश देते, नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने और लोगों को जागरूक करने का काम भी करते हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने पंचवट शोध संस्थान और विज्ञान भारती द्वारा लोक संवाद का सेतुबंध, सांग-लोकगीत विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कहे। आकाशवाणी के सेवानिवृत्त निदेशक वेलाश शर्मा मुख्य प्रवक्ता के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में भारत लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा, पंचवट शोध संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. जगवीर सिंह, महिला अध्ययन प्रमुख डॉ. मुदिता वर्मा और कैपस स्कूल की निर्देशिका श्रीमती संतोष कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भौतिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम छात्र कल्याण निदेशालय, इग्नू संगूल लखनऊ के सहयोग से किया गया। प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने कहा कि सांग और लोकगीतों के माध्यम से समाज की सच्ची परंपराओं, संस्कारों और जीवन से जुड़ी बातों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है। ये लोक कलाएं हमारी संस्कृति और परंपरा को जीवंत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी लोक संस्कृति से जोड़ना और इन कलाओं को सहेजना जरूरी है। प्रो. कम्बोज ने कहा कि हरियाणा प्रदेश वीरों, महापुरुषों और महान संतों की पावन धरा है। इसी ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक भूमि कुरुक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का दिव्य उपदेश देकर समूचे विश्व को कर्म, कर्तव्य और जीवन दर्शन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक खानपान, विशिष्ट वेशभूषा, लोक परंपराएं और उत्सव जीवन संस्कार उद्देश को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। यहां की लोक संस्कृति में सादगी, परिश्रम, खेलना, आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता की भावना गहराई से समाहित है। यह सांस्कृतिक विरासत हमारी अमूल्य धरोहर है, जिसे संरक्षित करना और आगे पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। डॉ मुदिता वर्मा ने बताया कि सांग और लोकगीत भारतीय संस्कृति, लोकजीवन एवं सामाजिक परंपराओं की अमूल्य धरोहर हैं। हरियाणा की लोक संस्कृति में सांग की विशिष्ट पहचान है, जिसके माध्यम से सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं नैतिक विषयों को रोचक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाता है। यहां लोकगीत जनमानस की भावनाओं, गीत-रिवाजों, संस्कारों और जीवन के विभिन्न पहलुओं को सरल प्रस्तुत करते हैं। ये हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण एवं संवर्धन के साथ अगली पीढ़ी को आगे ले जाने और परंपराओं से जोड़ते हैं। मुख्य प्रवक्ता डॉ. कैलाश चन्द्र ने हरियाणा की सांग और लोकगीत परंपरा के इतिहास तथा समाज में उसकी भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सांग के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों, पारिवारिक संबंधों और नैतिक मूल्यों को सरल शैली में प्रस्तुत किया गया और किस तरह ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पौराणिक शैलियों के जरिए ये बताया कि किस तरह ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पौराणिक कथानक को आगे लेकर जाने में मदद करता है। डॉ संयम मोहन पंचवट शोध संस्थान और विज्ञान भारती दिए द्वारा पारंपरिक लोकगीत गाए गए। छात्र कल्याण के प्रतीकात्मक विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. मदन लोचाट ने अतिथियों का स्वागत कर्यक्रमों तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	31.10.26	-----	----

सांग और लोकगीत हमारी अनमोल धरोहरः प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। सांग और लोकगीत हरियाणा की संस्कृति और परंपराओं का अहम हिस्सा हैं। ये मनोरंजन के साथ-साथ समाज को अच्छे संदेश देने, नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने और लोगों को जागरूक करने का काम भी करते हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने पंचनद शोध संस्थान और विज्ञान भारती द्वारा लोक संवाद का सेतुबंध, सांग-लोकगीत विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। आकाशवाणी के सेवानिवृत्त निदेशक कैलाश वर्मा मुख्य प्रस्तोता के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा, पंचनद शोध संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह, महिला आयाम प्रमुख डॉ. मुदिता वर्मा और कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम छात्र कल्याण निदेशालय, द्वारा संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1-11-26	4	2-6

सरदार पटेल के विचार प्रेरणा के स्रोत : काम्बोज

राष्ट्रीय एकता दिवस पर हकृवि समेत अन्य शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अधिकारियों और कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में देश के प्रति एकता, भाईचारे और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके देश के प्रति समर्पण, मजबूत इच्छाशक्ति और नेतृत्व के कारण उन्हें लौह पुरुष कहा जाता है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी हमें मिलजुल कर रहने और देश की एकता बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने कार्यों में अनुशासन बनाए रखने, आपसी सहयोग बढ़ाने और देश की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया।



राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ दिलाते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज • जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-11-26	3	3

एकता व अखंडता की शपथ दिलाई

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अधिकारियों और कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य समाज में एकता, भाईचारे और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने याद दिलाया कि पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में निर्णायक भूमिका निभाई और उनके समर्पण, दृढ़ इच्छाशक्ति व नेतृत्व के कारण उन्हें लौह पुरुष कहा जाता है। कुलपति के अनुसार पटेल के विचार आज भी मिलजुलकर रहने और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ रखने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कर्मचारियों से कार्यस्थल पर अनुशासन, आपसी सहयोग और प्रगति में योगदान बढ़ाने का आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	1-11-26	5	7-8

हकृवि में राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिलाई गई शपथ



राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ दिलाते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिसार, 31 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अधिकारियों और कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने कार्यों में अनुशासन बनाए रखने, आपसी सहयोग बढ़ाने और देश की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-1-26	13	1

पटेल जयंती पर कुलपति ने दिलाई एकता की शपथ

हिसार । हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में देश के प्रति एकता, भाईचारे और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	31.10.26	-----	----



सरदार पटेल के विचार राष्ट्रीय एकता के लिए प्रेरणास्रोत : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अधिकारियों और कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में देश के प्रति एकता, भाईचारे और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके देश के प्रति समर्पण, मजबूत इच्छाशक्ति और नेतृत्व के कारण उन्हें लौह पुरुष कहा जाता है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी हमें मिलजुल कर रहने और देश की एकता बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं।